भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : 51
गुरुवार, 25 जुलाई, 2024/3 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानपत्तनों पर सुरक्षा

***51. श्री विजय कुमार दूबे:**
श्री तेजस्वी सूर्या:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सभी विमानपत्तनों पर प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ-साथ सुरक्षा में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या यह सच है कि सुरक्षा में सुधार के लिए केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की संख्या में वृद्धि की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) भीड़-भाड़ वाले विमानपत्तनों, विशेषकर इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन, नई दिल्ली पर यात्रियों के लिए चेक-इन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) विमानपत्तनों पर यात्रियों के निर्बाध आवागमन को सुकर बनाने और सुरक्षा जांच के दौरान प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उपाय किए गए हैं और ऐसे उपायों का क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ङ) कितने विमानपत्तनों ने ''डीजी यात्रा'' प्लेटेफॉर्म को अपनाया है और इस सुविधा के आरंभ होने के बाद से कितने यात्रियों ने ''डि जी यात्रा'' के माध्यम से प्रवेश का उपयोग किया है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

"विमानपत्तनों पर सुरक्षा" के संबंध में श्री विजय कुमार दूबे और श्री तेजस्वी सूर्या द्वारा दिनांक 25.07.2024 को पूछे गए लोक सभा के मौखिक प्रश्न संख्या 51 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) भारत के सभी हवाईअड्डों को सीसीटीवी, एटीआरएस/एक्स-बीआईएस, डीएफएमडी, एचएचएमडी और ईटीडी आदि जैसे सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। कुछ प्रमुख हवाईअड्डे उन्नत सुरक्षा प्रणालियों और उपकरणों जैसे डुअल व्यू एक्सबीआईएस, बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल सिस्टम, क्यू मैनेजमेंट सिस्टम, एटीआरएस (ऑटोमोटिव ट्रे रिट्रीवल सिस्टम), पीआईडीएस (पेरिमीटर इंट्रूशन डिटेक्शन सिस्टम), रिमोट स्क्रीनिंग और डिजी यात्रा- फेस रिकगनिशन आधारित ऐक्सेस से लैस हैं।

(ख) : जी हां, वर्ष 2022 में सीआईएसएफ कार्मिकों की स्वीकृत संख्या 34587 को बढ़ाकर वर्तमान में 41357 कर दिया गया है।

(ग) : आईजीआई हवाई अड्डा, नई दिल्ली सहित अन्य भीड़भाड़ वाले हवाईअड्डों पर चेक-इन प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

i) घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए सेल्फ सर्विस बैग ड्रॉप सुविधा की शुरुआत की गई।

ii) टर्मिनल 3, आईजीआई हवाईअड्डा, नई दिल्ली हवाईअड्डे में अतिरिक्त चेक-इन काउंटर स्थापित किए गए।

iii) काउंटरों के इष्टतम आवंटन और पर्याप्त चेक-इन काउंटर आवंटन सुनिश्चित करने के लिए डायनेमिक काउंटर आवंटन की शुरुआत की गई है।

iv) सुरक्षा ट्रे की सुगम प्राप्ति के लिए ग्रेविटी रोलर्स लगाए गए हैं।

v) बेहतर थ्रूपुट के लिए आईजीआई हवाईअड्डा, नई दिल्ली के टर्मिनल-2 पर अतिरिक्त एक्स-रे मशीनें लगाई गई हैं।

vi) टी3, आईजीआई हवाईअड्डा पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 6 एक्स-रे मशीनों और 20 उत्प्रवास काउंटरों के साथ नया प्रोसेसिंग क्षेत्र बनाया गया है।

(घ) यात्रियों की सुगम आवाजाही और सुरक्षा जांच के दौरान प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए, हवाईअड्डों पर लागू किए गए निम्नलिखित उपाय प्रभावी सिद्ध हुए हैं:

i) सुरक्षा जांच के दौरान यात्रियों की सहायता के लिए अतिरिक्त ग्राहक सेवा सहयोगियों की भर्ती की गई है।

ii) प्रोसेसिंग क्षमता के आकलन के पश्चात सुरक्षा जांच चेकपॉइंट की लेन में वृद्धि।

iii) संवर्धित सुरक्षा अवसंरचना के आधार पर सीआईएसएफ कार्मिकों में वृद्धि।

iv) उत्प्रवास/अप्रवासन काउंटरों का संवर्धन।

v) हवाईअड्डों पर निर्बाध और अवरोध-मुक्त अनुभव प्रदान करने के लिए 'डिजी यात्रा' आरंभ की गई है।

vi) उड़ानों को असमूहित करना।

vii) होर्डिंग/साइनेज के माध्यम से सुरक्षा प्रक्रियाओं के विषय में यात्रियों के बीच जागरूकता।

(ङ) : वर्तमान में, डिजी यात्रा सुविधा 15 हवाईअड्डों पर उपलब्ध है, जिनमें दिल्ली, बेंगलुरू, अहमदाबाद, कोचीन, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, पुणे, वाराणसी, विजयवाड़ा, गोवा (एमओपीए) और चेन्नई हवाईअड्डा शामिल हैं। इसकी शुरुआत के बाद से, देश भर में 2.5 करोड़ से अधिक हवाई यात्रियों ने डिजी यात्रा का उपयोग किया है।

****